Bal Bharati PUBLIC SCHOOL
Sector-21, Noida, G.B. Nagar

बाल सभा गतिविधि(2023-24)

"संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता"

अंतर्सदनीय गतिविधि

(प्रारम्भिक चक्र)

तिथि – 9अगस्त2023(प्रारम्भिक चक्र)

-23अगस्त 2023(निर्णायक चक्र)

कक्षा – III से V तक

विषय -श्लोक संगीत प्रतियोगिता

समय - अष्टम एवं नवम कालांश

गतिविधि स्थल : संबंधित कक्षा-कक्ष (प्रथम चक्र हेतु)

:संगीत कक्ष (निर्णायक चक्र हेतु)

माध्यम - संस्कृत

"वाणी में जो मृदुता भर दे, वह है संस्कृत भाषा,
शुष्क हृदय भावों से भर दे, वह है संस्कृत भाषा"

नियम–

- **सभी विद्यार्थियों का भाग लेना अनिवार्य है ।**
- **सभी विद्यार्थी संस्कृत श्लोकों का सस्वर गायन करेंगे ।**
- **कक्षा के स्तरानुसार कक्षा अध्यापिका द्वारा प्रारम्भिक चक्र हेतु छह श्लोक विद्यार्थियों के साथ टीम्स पर साझा किए जाएँगे जिन्हें विद्यार्थियों को कंठस्थ कर प्रारम्भिक चक्र में लयात्मक रूप से सुनाना होगा ।**
- **प्रारम्भिक चक्र में चयनित प्रतिभागी को निर्णायक चक्र में पुनः भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।**
- **प्रारम्भिक चक्र के पश्चात निर्णायक चक्र हेतु कक्षा अध्यापिका प्रत्येक सदन से किसी एक चयनित विद्यार्थी का नाम सर्वाधिक अंक प्राप्ति के आधार पर हाउस प्रतिनिधि को सौंपेंगी।**
- **हाउस प्रतिनिधि कक्षा अनुसार प्रारम्भिक स्तर पर चयनित छात्रों की सूची तैयार कर सदनानुसार किन्हीं चार विद्यार्थियों के नाम निर्णायक चक्र हेतु सुनिश्चित करेंगे। इस प्रक्रिया में हाउस प्रतिनिधि का निर्णय ही सर्वमान्य होगा ।**
- **चयनित प्रतिभागी को निर्णायक चक्र हेतु दिनांक 23 अगस्त 2023 को विद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।**
- **गतिविधि विद्यालय की वेशभूषा में ही सम्पन्न होगी ।**
- **कक्षा अध्यापिका गतिविधि की फ़ोटो रिकॉर्ड हेतु रखेंगी एवं विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण का रिकॉर्ड नॉमिनल पर लिखकर वर्ग 'द' की अध्यापिका को सौंपेंगी।**
- **निर्णायक चक्र के नियम प्रारम्भिक चक्र के पश्चात साझा किए जाएँगे।**

मूल्यांकन बिन्दु -

- **आत्मविश्वास**
- **प्रस्तुतिकरण**
- **लयात्मकता**
- **उच्चारण**
- **भाषा प्रवाह**

संयोजिका:
श्रीमती सुमना सेनगुप्ता
श्रीमती दीपा चतुर्वेदी
सूचनार्थ : सदन प्रतिनिधि

पर्यवेक्षक:
श्रीमती विनया पुजारी
प्रधानाध्यापिका (प्राथमिक विभाग)

1) वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ । निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥
2) ॐ सर्वेषां स्वस्तिर्भवतु । सर्वेषां शान्तिर्भवतु । सर्वेषां पूर्णं भवतु । सर्वेषां मङ्गलं भवतु ॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः
3) काकचेष्टा बकोध्यानं श्वाननिद्रा तथैव च। अल्पाहारी गृहत्यागी विद्यार्थी पञ्चलक्षणम् ।।
4) सरस्वति महाभागे विद्ये कमललोचने । विद्यारूपे विशालाक्षि विद्यां देहि नमोऽस्तुते ॥
5) गायत्री मन्त्र - ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम् । भर्गो देवस्य धीमहि ,धियो यो नः प्रचोदयात्।
6) ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।